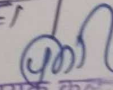


पत्रावली पेश हुई।  
आज हम दीगर आवश्यक कार्यों  
के कारण हैं। अतः इस्तवा होकर  
पत्रावली आइन्दा... 29/08/22 पेश है।

29/08/22

पत्रावली आज पेश हुई। शर्हीण व  
शर्हीण के वकील कन्दुस्थित।  
शर्हीण व शर्हीण के कन्डिक्तरा  
को कोर्ट समय है तीन बार तीन-तीन  
गोवर्जे डिलारे गरी। बावजूद गोवर्जे  
डिलारे के शर्हीण व शर्हीण के  
कन्डिक्तरा कन्दुस्थित रहा उक्त  
उक्त उक्त शर्हीण की कल  
इतरी व कल पेश है शर्हीण  
पेश जाता है पत्रावली विविल  
इतरी होकर शर्हीण इतरी है।

  
सहायक कल  
SDO



94  
29/10/20



सेवामे,

श्रीमान सहायक कलक्टर एवं (एस डी ओ) महोदय,  
गुडामालानी ।

प्रार्थी :-

1. पाबु पुत्र हका उम्र 58 वर्ष
2. मिसरा पुत्र हका उम्र 55 वर्ष
3. ~~मूली~~ 310 ~~रूपाराम~~ उम्र 80 वर्ष  
कौम भील साकिन पुंजाबेरी तहसील गुडामालानी

बनाम

विप्रार्थीगण:-

1. लालाराम पुत्र श्री भोमाराम उम्र 70 वर्ष
2. पुनमाराम पुत्र श्री भोमाराम उम्र 65 वर्ष
3. दलाराम पुत्र श्री भेमाराम उम्र 55 वर्ष  
जाति जाट निवासी पुंजाबेरी तहसील गुडामालानी ।
4. मैनेजर बी सी सी बी बैंक शाखा गुडामालानी ।
5. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार गुडामालानी

राजस्व आवेदन अन्तर्गत धारा 212 राजस्थान कास्तकारी अधिनियम एवं  
आदेश 39 नियम 1 व 2 सपठित धारा 151 सीपीसी वास्ते पाने अस्थाही  
निषेधाज्ञा ।

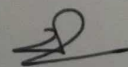
महोदयजी,

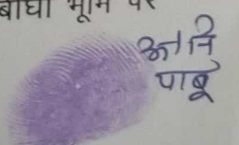
प्रार्थी का प्रार्थना पत्र निम्न प्रकार से है कि :-

28

31/10  
पाबु

1. कि प्रार्थी ने एक राजस्व वाद अन्तर्गत धारा 183, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम का श्रीमानजी के समक्ष विधि के ठोस आधारों पर पैश किया है । जिसमें वर्णित तथ्यों के आधार पर प्रार्थी को प्रथम द्रष्टया सफलता मिलने की पूर्ण सम्भावना है ।
2. कि सरहद मौजा पुजाबेरी पटवारी क्षेत्र पीपराली तहसील गुडामालानी का खातेदारी खेत खसरा नम्बर 33 रकबा 39-01 बीघा व खसरा नम्बर 33/2 रकबा 29-00 बीघा किस्म बारानी सोयम का आया हुआ है । कि मेरे खेत के सेढा सेढ प्रतिवादीगण का खेत आया हुआ है ।
3. कि मेरे खातेदारी खेत खसरा संख्या 33 रकबा 39-01 बीघा व खसरा नम्बर 33/2 रकबा 29-00 बीघा भूमि की सीमाज्ञान रिपोर्ट अनुसार विप्रार्थी गण ने मेरी कब्जा काश्त की भूमि पर नाजायज कब्जा कर मौके पर वर्तमान में पक्की ढाणी बनाने तथा मुझे मेरी पीढियों पुरानी पुश्तनी भूमि से बेदखल करने हेतु विप्रार्थीगण संख्या 01 आमदा है तथा मेरे हक की भूमि पर विप्रार्थीगण नाजायज कब्जा करने पर उतारू है जिस हेतु यह आवेदन अस्थाही निषेधाज्ञा श्रीमान के समक्ष पैश है ।
4. कि उक्त विवाद ग्रस्त आराजी के से पाया गया की प्रार्थी की खातेदारी भूमि पर पडोसी खातेदार विप्रार्थी मौके पर काबिज होकर के कब्जा करने पर उतारू है । जो की उक्त विप्रार्थीगण को जब कब्जा नहीं करने को कहा तो उन्होंने कब्जे करने वाले भू भाग को अपना खातेदारी का होने बताये हुये मेरे कब्जा काश्त की भूमि पर पक्की ढाणी बनाने की धमकी दी इसलिये आवेदन अतिकमी बेदखली का पैश है ।
5. कि विप्रार्थीगण संख्या 1 उच्ची राजनैतिक पहुच वाला व्यक्ति होने से मेरी कब्जे काश्त की भूमि पर कब्जा करने की नियत से मुझे हमेशा परेशान करता रहता है जिस हेतु मेरे द्वारा एक आवेदन पत्थरगढी का श्रीमानजी के न्यायालय में पैश किया हुआ है लेकिन आवेदन में निर्णय होना शेष है तथा वर्तमान में विप्रार्थीगण मेरी खातेदारी भूमि सेढा तोडकर हडपना चाहता है तथा मेरी भूमि हडप कर मौके पर पक्की ढाणी बनाकर कब्जा पुख्ता करना चाहता है इसलिये विप्रार्थीगण को जरिये अस्थाही निषेधाज्ञा पाबन्द किया जावे की वह मौके पर मेरे कब्जे काश्त व मेरी खातेदारी भूमि खसरा संख्या 33 रकबा 39-01 बीघा व खसरा नम्बर 33/2 रकबा 29-00 बीघा भूमि पर



  
आनि  
पाबू